केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

# सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

## सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

**रविवार, १ मार्च, २०२०** **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

**अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।**

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | १ (४) | |
| | २ (६) | |
| | ३ (५) | |
| | ४ (४) | |
| | ५ (८) | |
| | ६ (८) | |
| | ७ (७) | |
| | ८ (५) | |
| | **विभाग-१, कुल गुण ( ४७ )** | |

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

**बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

**वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर**.....

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | ९ (९) | |
| | १० (५) | |
| | ११ (८) | |
| | १२ (८) | |
| | १३ (८) | |
| | **विभाग-२, कुल गुण ( ३८ )** | |

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

**परीक्षक के हस्ताक्षर** .....

**परीक्षक की नोंध :-**

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | **विभाग-३, कुल गुण** | |
| | १४ (१५) | |

**મોડરેશન વિભાગ માટે જ**

**ગુણ આંકડામાં** ☐☐

**શબ્દોમાં** .....

ચેકરનું નામ

## ☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द ( केन्सल ) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द ( केन्सल ) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द ( केन्सल ) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण ( पास ) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत ( फिसदी ) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - १ गुण - ४ | | नाम |
|---|---|---|---|



## विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

**प्र. १ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। ( कुल गुण : ४ )**

१. भगुजी ने स्वामी के कंधे से सभी गुदड़ियाँ नीचे उतार लीं।

२. कोई इस फूल तक नहीं पहुँचता

३. मैं तो आपमें अखंड रहता हूँ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**सिद्धांत :** .....

.....

.....

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र. २ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए।**
**( संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है। ) ( कुल गुण : ६ )**

१. गुणातीत संत के लक्षण : परमहंसों और अन्य शास्त्रों के अनुसार
२. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता : ब्रह्मरूप होने के लिए
३. दिव्यभाव समझने की आवश्यकता

( ) ..................................................

गुण : ३

( ) ..................................................

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - २ गुण - ६ | | नाम | प्र - ३ गुण - ५ | | नाम |
|---|---|---|---|---|---|---|

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

..........

.......... गुण : ३ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र. ३ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए। (कुल गुण : ५)**

१. ''बेसे राजा गादी पर कोय रे, छोडे बंधिवानना बंध सोय रे'' गुण : १ [ ]

..........

२. ''जैसे श्रीजीमहाराज है और ये संत है, उन्हें यथार्थ से कोई न जाने तो वह निरंतर दुर्भागी है।'' गुण : १ [ ]

..........

३. ''भगवान तो सदा मूर्तिमान ही है, इस प्रकार समझनेवाले को एकांतिक भक्त कहते हैं।'' गुण : १ [ ]

..........

४. ''कोई भी भगवान नहीं हो सकता। केवल श्रीजीमहाराज भगवान हैं।'' गुण : १ [ ]

..........

५. ''सम्पूर्ण संप्रदाय में ऐसे सद्गुरु कोई नहीं है।'' गुण : १ [ ]

..........

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ४ गुण - ४ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र. ४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)**

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।**

१. उपासना का महत्त्व

| गुण : २ | |
|---|---|

(१) ☐ उपासना के बिना कुछ भी सिद्ध नहीं होता

(२) ☐ जीव का कल्याण तो इतनी ही बात में है की कर्ता-हर्ता भगवान हैं

(३) ☐ अंतकाल में तो भगवान का दृढ़ आश्रय ही काम आता है

(४) ☐ मेरे ही तेज से तेजोमय हुए हैं

२. भगवान कर्ता कैसे हैं?

| गुण : २ | |
|---|---|

(१) ☐ लोया : १०

(२) ☐ लोया : २

(३) ☐ ग. म. १२

(४) ☐ ग. म. २१

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र. ५ निम्नलिखित किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)**

१. श्रीजीमहाराज को साकार स्वरूप में रुचि

२. प्रकट भक्ति - शांति का पथ

३. मोक्ष मार्ग में अक्षरब्रह्म की आवश्यकता : परब्रह्म को तत्त्व सहित जानने के लिए

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र – ५<br>गुण – ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

गुण : ४

(  )

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। ( बारह पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. महंतस्वामी महाराज श्रीहरि के मिले हुए संत हैं।

२. नारायण के समान तो एक ही नारायण हैं।

३. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार हैं।

( ) ..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

..........................................................................................................

.......................................................................................... | गुण : ४ | |

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र – ६ गुण – ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

( )

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ७ गुण - ७ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र. ७ उपसंहार के आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए। ( कुल गुण : ७ )**

**( उपासना में क्या समझना चाहिए ? )**

१. सगुण और .....

..... सूक्ष्म हैं। गुण : १

२. मुक्ति अवस्था .....

..... हमेशा रहती हैं। गुण : १

३. धाम में जो .....

..... वही ये श्रीजीमहाराज हैं। गुण : १

४. अक्षरब्रह्म .....

..... तीनों रहते हैं। गुण : १

**( उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ? )**

५. अकेले पुरुषोत्तम ही हैं .....

..... नहीं हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

६. जब भगवान पृथ्वी .....

..... होते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

७. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान .....

..... तेज हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ८ गुण - ५ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र. ८ टिप्पणी लिखिए।** सबसे परे अक्षरधाम और अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि **( वर्णनात्मक ) ( कुल गुण : ५ )**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ९ गुण - ९ | | नाम | प्र - १० गुण - ५ | | नाम |
|---|---|---|---|---|---|---|

## विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

**प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)**

१. ''अनन्त ब्रह्माण्ड में वैसे तो आपका किया ही सर्वत्र होता है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३

२. ''दैवत किं वा? किंवा ध्यान में किं वा तुंबीपात्र में? किं वा दोउ समान?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३

३. ''और उसका अनुभव भी मुझे कराया था।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

..... गुण : ३

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)**

१. गढ़डा महाराज के दर्शन के लिए गए हुए पर्वतभाई ने कितने दिन तक भोजन नहीं लिया था? गुण : १

.....

.....

२. महाराज ने मुक्तानन्द स्वामी को क्या करने की आज्ञा की थी? गुण : १

.....

.....

३. शिवलाल सेठ कहाँ और कब अक्षरधाम में गए थे? (संवत्, मास, तिथि) गुण : १

.....

.....

४. आस्टन शहर के मेयर कौन थे? वह किस विषय के अच्छे जानकार थे? गुण : १

.....

.....

५. जैनाचार्य मुनि सुशीलकुमारजी के मत अनुसार प्रमुखस्वामी किस के प्रमुख हैं? गुण : १

.....

.....

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - ११ गुण - ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही ( ✓ ) का निशान करें। ( कुल गुण : ८ )**

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।**

१. पर्वतभाई का संकल्प — गुण : २

(१) ☐ चौबीसों अवतारों के दर्शन

(२) ☐ महाराज की कृपा तो देखो

(३) ☐ सभी अवतार महाराज की मूर्ति में प्रविष्ट हुए

(४) ☐ सारा सोरठ देश सत्संगी हुआ

२. निष्कुलानन्द स्वामी के द्वारा रचित ग्रंथ — गुण : २

(१) ☐ सतीगीता

(२) ☐ स्नेहगीता

(३) ☐ भक्तचिंतामणि

(४) ☐ श्रीहरिचरित्रचिंतामणि

३. मंगल के रोम-रोम में आनन्द का संचार — गुण : २

(१) ☐ सरपंच के यहाँ नौकर

(२) ☐ प्रतिज्ञा दी

(३) ☐ खारपा गाँव

(४) ☐ रात के साढ़े दस बजे

४. शाही सम्मान शाही अपमान — गुण : २

(१) ☐ १९८८

(२) ☐ ३० जुलाई

(३) ☐ क्वीन्स पार्क

(४) ☐ स्वामिनारायण मंदिर

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - १२ गुण - ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

**प्र.१२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। ( नौ पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. रघुवीरजी महाराज ने 'सत्संगिजीवन' ग्रंथ की कथा करवाई। **अथवा**

२. शिवलाल सेठ की साली को बुरा लग गया।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

३. नरेन्द्रप्रसाद स्वामी स्वामीश्री की दिव्यता में खो गए। **अथवा**

४. हरिजन युवकों को लगा 'हम सभी हरि-जन हैं, हमें इसका गौरव है।'

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

**प्र.१३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए। ( बारह पंक्ति में ) ( कुल गुण : ८ )**

१. आज्ञापालक लालजी भक्त **अथवा**

२. गोपालानन्द स्वामी का स्वप्न दर्शन

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| गुण : ४ | |
|---|---|

३. डाह्याभाई के मन में अक्षरधाम का परम आनंद **अथवा**

४. प्रमुखस्वामी महाराज का कार्य

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र - १३ गुण - ८ | | नाम |
|---|---|---|---|

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| गुण : ४ | |
|---|---|

**उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक** ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

## विभाग - ३ : निबंध

**प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए। ( कुल गुण : १५ )**

१. युवा पीढ़ी : उज्जवल भविष्य का सूर्योदय
२. वचनामृत एक अद्वितीय ग्रंथ : जीवन की सार्थकता का दिव्य अनुभव
३. वही पर ही है घनश्याम : दिपावली - अन्नकूट प्रसंग मर्म

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

| सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्र – १४ गुण – १५ | | नाम |
|---|---|---|---|

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें